सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक: 08 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 9 फरवरी, 2026
मूल्य ₹ 3/-

यह मनुष्य का स्वभाव है कि जब वह दूसरों के दोष देख कर हंसता है, तब उसे अपने दोष याद नहीं आते जिनका न आदि है न अंत।

-कबीर दास

टी20 विश्व कप में उलटफेर करने से चूका... 7 | राज्यसभा खाली सीटे महाराष्ट्र में... 3 | भाजपा समाज का बस अपमान... 2

गो बैक गवर्नर, बजट सत्र ने गर्माया यूपी का माहौल

विस में हंगामा, विपक्ष ने किए प्रहार

» आक्रामक मुद्रा में सपा
» जनहित के सवालों से बौखला गयी सरकार

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र किसी शांत औपचारिक संसदीय कार्यवाही की तरह नहीं शुरू हुआ बल्कि एक सियासी रणभूमि की तरह खुला। सदन के बाहर पोस्टर थे भीतर नारे और इन नारों में कोई हड़बड़ी नहीं थी बल्कि एक सोची समझी रणनीति थी।

यह शोर यूं ही नहीं उठा था यह उस असंतोष की आवाज थी जो लंबे समय से सत्ता के गलियारों में दबाया जा रहा था और अब बजट सत्र के पहले ही दिन फूट पड़ा। गो बैक गवर्नर का नारा सिर्फ एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ नहीं था। यह उस पूरे ढांचे पर सीधा हमला था जिसे विपक्ष अब सरकार का औजार मानने लगा है। विपक्ष की नजर में राज्यपाल अब तटस्थ संवैधानिक प्रहरी नहीं रहा बल्कि सरकार की राजनीतिक इच्छाओं का विस्तार बन चुका हैं। यही वजह है कि यह नारा व्यक्तिगत विरोध का नहीं बल्कि संवैधानिक असहमति का प्रतीक बन गया।

समाजवादी पार्टी ने जोरदार तरीके से उठाए मुद्दे

समाजवादी पार्टी ने इस मुद्दे को ऐसे समय उठाया जब योगी सरकार बजट के जरिए विकास निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर और कल्याण की एक सुनियोजित कहानी गढ़ने की तैयारी में थी। सरकार चाहती थी कि चर्चा आंकड़ों पर हो योजनाओं पर हो उपलब्धियों पर हो। लेकिन विपक्ष ने साफ संकेत दे दिया कि कहानी सुनाने से पहले सवालों का सामना करना पड़ेगा। सपा का संदेश स्पष्ट रहा कि बजट की भाषा में विकास लिखा जा सकता है लेकिन राजनीति की भाषा में इतिहास के अधूरे जवाब आज भी बाकी हैं।

सदन की तस्वीर ये कर रही थी बयां

राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सपा विधायक हाथों में सरकार विरोधी नारे लिखी तख्तियां लेकर सदन में खड़े हो गए और राज्यपाल गो बैक के नारे लगाए। हंगामे के बीच सपा विधायक पल्लवी पटेल अपनी सीट पर बैठी रहीं। पार्टी के अन्य सदस्यों द्वारा बुलाए जाने के बावजूद उन्होंने प्रदर्शन में शामिल होने से परहेज किया। इस दौरान सरधना से सपा विधायक अतुल प्रधान ने अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा से जुड़े मुद्दे पर विरोध दर्ज कराया। वहीं सपा विधायकों की तख्तियों पर विकास के नाम पर विनाश, अस्पतालों में न दवा – न सुविधा, गरीबों की सुनवाई नहीं, पीडीए खत्म करेगा भाजपा का राज और एसआईआर एक साजिश है जैसे नारे लिखे हुए थे। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत समाजवादी पार्टी के विधायकों ने सदन में सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और लगातार गो-बैक, गो-बैक के नारे लगाए।

सांस्कृतिक सम्मान और ऐतिहासिक स्मृति पर दिखा विचार

इसी शोर के बीच एक और मुद्दा पूरी ताकत से उभरा अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा का। पहली नजर में यह सवाल सांस्कृतिक सम्मान और ऐतिहासिक स्मृति से जुड़ा लगता है लेकिन सियासत में कुछ भी सिर्फ प्रतीक नहीं होता। यह मुद्दा असल में पिछड़े बनाम सवर्ण सत्ता बनाम प्रतीक और इतिहास बनाम वर्तमान की उस राजनीति को उजागर करता है जो उत्तर प्रदेश में लंबे समय से भीतर ही भीतर पक रही है।

पहली बार आर्थिक सर्वेक्षण

उत्तर प्रदेश का बजट सत्र हर साल की तरह इस बार भी राज्यपाल के अभिभाषण से शुरू हुआ। यह अभिभाषण सरकार की नीतियों, प्राथमिकताओं और आगामी वित्तीय वर्ष की दिशा का खाका पेश करता है। विपक्ष के शोर-शराबे के बावजूद राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने अभिभाषण में कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश में करीब छह करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। बजट सत्र की शुरुआत से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीडिया से बातचीत में बताया कि राज्यपाल के अभिभाषण के उपरांत प्रदेश का आर्थिक सर्वेक्षण सदन के पटल पर रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहला अवसर है जब कोई राज्य सरकार अपनी आर्थिक उपलब्धियों को इस तरह प्रस्तुत कर रही है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश को पिछड़ेपन से बाहर निकालकर भारतीय अर्थव्यवस्था में एक मजबूत भूमिका में स्थापित किया गया है।

फिल्म घूसखोर पंडत पर भड़के सपा प्रमुख अखिलेश यादव, कहा-

समाज का बस अपमान करना जानती है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर एकबार फिरतीखा हमला बोला है। सपा मुखिया ने आरोप लगाया है कि भाजपा एक सोची-समझी साजिश के तहत विशिष्ट समाजों को लक्षित कर उन्हें अपमानित करने का काम कर रही है। यह विवाद ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्म/वेब सीरीज ''घूसखोर पंडत'' को लेकर है, जिसके शीर्षक और सामग्री पर ब्राह्मण समाज को अपमानित करने के आरोप लग रहे हैं।

माना जा रहा है कि यादव ने यह टिप्पणी ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्म 'घूसखोर पंडत' के संदर्भ में की है। हालांकि उन्होंने प्रत्यक्ष रूप से फिल्म के नाम का जिक्र नहीं किया है।राजधानी लखनऊ की हजरतगंज कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को फिल्म/वेब सीरीज 'घूसखोर पंडत' के निदेशक और उनकी टीम के खिलाफ़ एक जाति विशेष (ब्राह्मण) को अपमानित करने और वैमनस्यता फैलाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की थी। सपा अध्यक्ष यादव ने कहा कि वर्तमान में जिस फिल्म को लेकर मुद्दा बना है, उसके नाम का उल्लेख करना भी संभव नहीं है क्योंकि फ़िल्म का शीर्षक केवल आपत्तिजनक नहीं, बेहद अपनानजनक भी है। भाजपा कभी ये काम बयानबाज़ी से करती है और कभी बैठकों पर नोटिस देकर, कभी अपना पैसा लगाकर विज्ञापन, प्रचार सामग्री या फिल्म बनवाकर। और जब विवाद बढ़ जाता है तो गिरगिट की तरह रंग बदलकर घड़ियाली आंसू बहाती है और दिखावे के लिए सामने आकर झूठी कार्रवाई का नाटक करती है। सच तो ये है कि वो लक्षित किये हुए समाज विशेष को अपमानित-उत्पीड़ित देखकर मन-ही-मन बहुत खुश होती है। इस मौके पर पार्टी महासचिव शिवपाल सिंह यादव, पूर्व मंत्री बलराम यादव, शारदानंद अंचल,पूर्व विधायक अरुण वर्मा समेत समेत सपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा हमेशा षड्यंत्र करती है

सपा प्रमुख ने कहा कि उस फिल्म का नाम लिखने से भाजपा का उस समाज का तिरस्कार करने का उद्देश्य और भी अधिक पूरा होगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स'पर एक पोस्ट में कहा, ' भाजपा हमेशा से ये षड्यंत्र करती है कि वो किसी समाज के कुछ लोगों का दुरुपयोग, उसी समाज के खिलाफ करती है। इससे वो किसी समाज विशेष को लक्षित, चिह्नित , टारगेट करके अपमानित-आरोपित' करती है।

भाजपा का एजेंडा चलाने वाले पैसे को छोड़कर किसी के सगे नहीं

यादव ने उक्त फिल्म को नाम बदलकर भी रिलीज नहीं करने की मांग की। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा,''जब निर्माताओं को आर्थिक हानि होगी, तभी ऐसी फिल्में बनना बंद होंगी क्योंकि पैसे के लालच में भाजपा का एजेंडा चलानेवाले भी भाजपाइयों की तरह पैसे को छोड़कर किसी और के सगे नहीं हैं। ये 'रचनात्मक स्वतंत्रता' या 'क्रि एटिव लिबर्टी' के हनन की बात नहीं है, ये 'रचनात्मक समझ' या कहिए 'क्रि एटिव पूडेंस' की बात है कि पूर्वाग्रह से ग्रसित जो फिल्म किस एक पक्ष की भावनाओं को, एक सोची-समझी साज़िश के तहत आहत करे वो मनोरंजन कैसे हो सकती है।उन्होंने कहा, और अगर उद्देश्य मनोरंजन नहीं है तो किसी एक समाज को बदनाम करने के एजेंडे के पीछे के एजेंडे का खुलासा भी होना ही चाहिए।'

मेक इन इंडिया के शेर को लगता है जंग लग गई

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने अमेरिका के साथ हुए अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सरकार की आर्थिक नीतियों और मेक इन इंडिया अभियान की सफलता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने यहां मेक इन इंडिया की सफलता पर सवाल उठाए।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने भारत का 500 अरब डॉलर का विशाल बाजार अमेरिका को सौंप दिया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सरकार का मेक इन इंडिया वाला शेर अब जंग खा चुका है। सपा प्रमुख ने सरकार के विरोधाभासों पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक तरफ हवाई अड्डों पर मिलेट्स (मोटा अनाज) के विज्ञापन लगाए जा रहे हैं, तो दूसरी तरफ इसे विदेशों से आयात किया जा रहा है। घास एवं चारा अनुसंधान संस्थान का हवाला देते हुए कहा कि पशु आहार का आयात करना स्थानीय प्रयासों को बर्बाद कर रहा है। उन्होंने कहा कि दूध उत्पादन का काम मुख्य रूप से पिछड़े और दलित वर्ग के लोग करते हैं, जिनके हितों की अनदेखी कर सरकार विदेशी कंपनियों को फायदा पहुंचा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि जब बुनियादी मुद्दों पर बहस होती है, तो भाजपा सावरकर जैसे विषयों को बीच में ले आती है ताकि इतिहास के पन्नों में उलझाकर वर्तमान समस्याओं से ध्यान भटकाया जा सके।

मोदी सरकार ने बाहरी दबाव में आकर देश को बेच दिया

आप सांसद संजय सिंह ने कहा- भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते से लाखों भारतीय किसान खतरे में पड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि एपस्टीन कांड में नाम आने के बाद नरेंद्र मोदी सरकार ने बाहरी दबाव में आकर देश को बेच दिया और भारतीय किसानों के हितों के साथ विश्वासघात किया।

भारत और अमेरिका द्वारा जारी संयुक्त बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सिंह ने दावा किया कि इस समझौते ने भारत के कृषि बाजार को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोल दिया है, जिससे लाखों भारतीय किसान खतरे में पड़ गए हैं। संजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सरकार ने देश के करोड़ों किसानों के साथ घोर विश्वासघात किया है। संयुक्त बयान में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सभी कृषि उत्पाद अमेरिकी बाजार के लिए खोल दिए गए हैं। जब अमेरिकी किसानों को हर साल लाखों की सब्सिडी मिलती है, तो भारतीय किसान कैसे

प्रतिस्पर्धा करेंगे ? सिंह ने आगे आरोप लगाया कि सरकार ने महंगे अमेरिकी तेल के पक्ष में रूस से तेल आयात कम कर दिया है, जिससे आम जनता पर 80,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। अपने हमले को तेज करते हुए, आम आदमी पार्टी के सांसद ने आरोप लगाया कि यह समझौता देश के साथ विश्वासघात है। आपने प्रधानमंत्री मोदी का नाम एपस्टीन फाइलों में आने के दबाव में देश को बेच दिया है। सिंह ने आगे कहा कि अमेरिका ने इतिहास में भारत के साथ विश्वासघात किया है, जबकि रूस मुश्किल समय में देश के साथ खड़ा रहा है। अमेरिका से कोयला आयात करने के पीछे के तर्क पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा कोयला उत्पादक है और आरोप लगाया कि यह समझौता चुनिंदा व्यावसायिक हितों को लाभ पहुंचाता प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि हमें पता लगाना होगा कि इससे किन व्यापारियों को फायदा हो रहा है। एक पोस्ट में, सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश से झूठ बोलने और अमेरिकी कृषि उत्पादों को शुल्क-मुक्त प्रवेश की अनुमति देकर किसानों को धोखा देने का आरोप लगाया था, और चेतावनी दी थी कि सस्ते आयात से घरेलू बाजार तबाह हो जाएंगे। इसी तरह की चिंताओं को दोहराते हुए,आप दिल्ली के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अतीत में राजनीतिक रूप से कमजोर सरकारों ने भी भारत के हितों को अमेरिका के सामने समर्पित नहीं किया था। वाशिंगटन पर निशाना साधते हुए उन्होंने पूछा कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का इरादा भारत को उसी तरह चलाने का है जिस तरह वे वेनेजुएला को चला रहे हैं।

कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपी भाजपा से जुड़े हैं : अशोक गहलोत

» **बोले पूर्व सीएम- चार साल बाद भी पीड़ित परिवार न्याय के लिए भटक रहा**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने उदयपुर के चर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और केंद्र सरकार पर एकबार फिर तीखा प्रहारकिया है। गहलोत नेआरोप लगाया कि वर्ष 2022 में हुई इस नृशंस हत्या के आरोपी भाजपा से जुड़े हुए थे, और इसी कारण मामले के सीधा और स्पष्ट होने के बावजूद चार साल बाद भी पीड़ित परिवार न्याय के लिए भटक रहा है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस ने घटना के कुछ ही घंटों के अंदर आरोपियों को गिरफ्तार कर त्वरित कार्रवाई की थी, जिसके बाद केंद्र सरकार ने मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी। उन्होंने कहा, 2022 से 2026 तक कन्हैयालाल का परिवार न्याय की प्रतीक्षा कर रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्होंने कई बार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मामले की स्थिति और आरोपियों को सजा दिलाने के बारे में पूछा, लेकिन उन्हें कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि सजा में हो रही देरी को लेकर जनता में आशंका बढ़ रही है और इसका कारण आरोपियों का भाजपा से जुड़ा होना बताया जा रहा है। गहलोत ने कहा कि चुनावों के दौरान इस मुद्दे का राजनीतिकरण झूठे दावों के साथ किया गया, जबकि वास्तविकता यह है कि पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये का मुआवजा और दोनों बेटों को सरकारी नौकरी दी गई है। गहलोत ने कहा, देश यह सब देख रहा है और समय आने पर जवाबदेही तय होगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

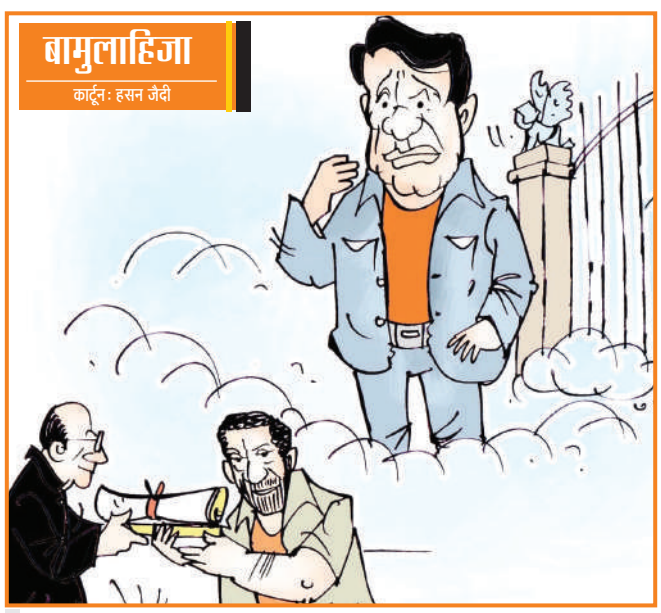

रेल मंत्रालय राज्य में स्वीकृत रेलवे की धनराशि शीघ्र जारी करे: स्टालिन

» **तमिलनाडु के सीएम ने पीएम नरेन्द्र मोदी को लिखा पत्र**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर रेल मंत्रालय को राज्य में स्वीकृत रेलवे परियोजनाओं के लिए आवश्यक धनराशि शीघ्र जारी करने और लंबित परियोजनाओं को पुन: शुरू करने का निर्देश देने का आग्रह किया है।

स्टालिन ने पत्र में कहा, ''रेल मंत्रालय से धनराशि जारी करने में हो रही देरी'' और विभिन्न परियोजनाओं के लिए टुकड़ों में निधि आवंटित किए जाने की व्यवस्था के कारण कई महत्वपूर्ण रेलवे परियोजनाओं की प्रगति प्रभावित हो रही है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार,

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने विभिन्न रेलवे परियोजनाओं के लिए 2,500.61 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण करने की प्रशासनिक मंजूरी दे दी है, लेकिन रेलवे विभाग ने अब तक 931.52 हेक्टेयर भूमि के लिए धनराशि आवंटित नहीं की है। स्टालिन ने कहा, ''निधि जारी करने में देरी और टुकड़ों में आवंटन ने तमिलनाडु में रेलवे परियोजनाओं की प्रगति में बाधा डाली है। इससे प्रभावित भूमि मालिकों के लिए लंबे समय तक अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है।'' उन्होंने बताया कि 19 प्रमुख परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य 94 प्रतिशत पूरा हो चुका है और 1,198.02 हेक्टेयर भूमि रेलवे को सौंप दी गई है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से 'तिरुवनंतपुरम-कन्याकुमारी दोहरीकरण' परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि रेलवे द्वारा मुआवजे के लिए आवश्यक 289.78 करोड़ रुपये जारी न किए जाने के कारण 16.86 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण अब भी रुका हुआ है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि स्वीकृत परियोजनाओं के लिए ''संपूर्ण धनराशि और इसे प्राथमिकता के आधार पर'' जारी किया जाए, ताकि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रि या सुचारू रूप से पूरी की जा सके।

नशे की जाल में फंस रहे युवा !

प्रदेश को नशामुक्त करने के दावे की कलई खुली

» कोकीन-अफीम-गांजे का अड्डा बन रहे पॉश इलाके

» चारबाग से तस्कर दबोचे गए

» स्कूलों और नाइट क्लबों में होती है सप्लाई

मो. शारिक/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश को नशामुक्त करने के दावे की कलई खुल गई है। नशे के कारोबार में पकड़े गए व्यापारी इसकी पोल खोल रहे हैं। बता दें उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स ने राजधानी में अवैध मादक पदार्थों की सप्लाई करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चारबाग रेलवे स्टेशन के पास से कई तस्करों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से कोकीन, अफीम, गांजा, ऑर्गेनिक गांजा और एमडी जैसे प्रतिबंधित मादक पदार्थ बरामद हुए हैं। एसटीएफ को पिछले कुछ दिनों से लगातार सूचना मिल रही थी कि दिल्ली से अवैध मादक पदार्थ लाकर लखनऊ के स्कूली छात्रों, कॉलेजों और नाइट क्लबों में सप्लाई की जा रही है। इस पर पुलिस उपाधीक्षक दीपक कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में एसटीएफ टीम ने अभिसूचना संकलन शुरू किया। सूचना पुख्ता होने पर उपनिरीक्षक तेज बहादुर सिंह के नेतृत्व में एसटीएफ टीम ने चारबाग स्टेशन के पास कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

लखनऊ में खुलेआम बिक रहा नशे का सामान नई पीढ़ी खतरे में

राजधानी लखनऊ में शहर भर की गुमटियों और छोटी दुकानों पर नशे से जुड़ा सामान खुलेआम उपलब्ध होने से नई पीढ़ी तेजी से इसकी गिरफ्त में आती जा रही है। शहर के कई इलाकों में ओसीबी पेपर और गोगो पेपर आसानी से मिल रहा है, जिसका इस्तेमाल युवा गांजा और चरस जैसे मादक पदार्थों के सेवन के लिए कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इन पेपरों की बिक्री पर कोई ठोस निगरानी नहीं होने से युवाओं को इन्हें खरीदने में कोई परेशानी नहीं होती। नशे का सेवन करने के बाद शक से बचने के लिए कुछ युवा आई ड्रॉप का भी इस्तेमाल करते हैं, जिससे आंखों की लालिमा कम हो सके और

आसपास के लोगों को नशे का संदेह न हो। इसके अलावा नशा करने के बाद मीठा खाने की प्रवृत्ति भी युवाओं में देखी जा रही है, जिससे उन्हें नशे का असर और अधिक महसूस होता है। इस तरह खुलेआम नशे से जुड़े सामान की बिक्री नई पीढ़ी को गलत दिशा में धकेल रही है।

एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज

गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ थाना हुसैनगंज में मुकदमा संख्या 10/2026 धारा 8/20/21/60 एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। आगे की वैधानिक कार्रवाई स्थानीय पुलिस द्वारा आगे जारी रहेगी। अवैध मादक पदार्थ गांजा, अफीम, कोकीन बेचने वालों पर पुलिस नजर बनाए हुए है।

स्कूलों और पब-बार तक फैला था नेटवर्क

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनका एक संगठित गिरोह है, जो नई दिल्ली से कोकीन, अफीम और गांजा लाकर लखनऊ में सप्लाई करता है। गिरोह के सदस्य यश श्रीवास्तव और प्रभजीत सिंह शहर के प्रतिष्ठित कॉन्वेंट स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्रों को यह नशीले पदार्थ ऊंचे दामों पर बेचते थे। आरोपी आधा-आधा ग्राम के छोटे पैकेट बनाकर 8 से 10 हजार रुपये प्रति ग्राम तक

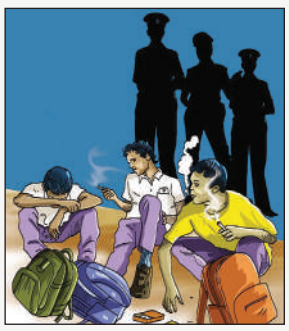

बेचते थे। इसके अलावा गिरोह के सदस्य नाइट क्लब, पब और बार में बाउंसर, वेटर और बिल्डिंग स्टाफ की मदद से सप्लाई करते थे, ताकि चेकिंग से बचा जा सके। आरोपियों ने यह भी स्वीकार किया कि वे पिछले करीब तीन वर्षों से इस अवैध कारोबार में सक्रिय हैं और हर महीने भारी मात्रा में नशे की खेप लखनऊ के विभिन्न इलाकों, खासकर समिट बिल्डिंग और गोमती नगर स्थित DLF माई पैड जैसे स्थानों पर सप्लाई करते थे।

ग्राहकों की बनी थी पूरी लिस्ट, मैसेज से होती थी डील

गिरोह के पास ग्राहकों की पूरी सूची थी, जिनसे मोबाइल मैसेज के जरिए संपर्क कर डील की जाती थी। तय स्थानों और ड्रेस कोड के जरिए गिरोह के सदस्य आपस में मिलते थे, जिससे किसी को शक न हो।

राज्यसभा खाली सीटे महाराष्ट्र में मचाएगी सियासी घमासान

महाविकास आघाड़ी को लगेगा झटका

» अप्रैल में खाली होंगी सात सीटें

» रास में बढ़ेगी बीजेपी की ताकत

» महाविकास पड़ेगी कमजोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में आने वाले दिनों और घमासान देखने को मिलेगा। अप्रैल में राज्यसभा की सात सीटें खाली होंगी। इनमें महायुति की स्थिति मजबूत होगी। बीजेपी की सीटों की संख्या बढ़ जाएगी, तो वहीं महाविकास आघाड़ी की सीटें घट जाएंगी।

जिन नेताओं का कार्यकाल पूरा हो रहा है उनमें शरद पवार और प्रियंका चतुर्वेदी का नाम शामिल है। लोकसभा चुनावों में

बीजेपी को महाराष्ट्र में झटका लगा था। अब करीब दो साल बीजेपी को महाराष्ट्र ही राज्यसभा में मजबूती मिलेगी। 2 अप्रैल 2026 को महाराष्ट्र से 7 राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। जिन राज्यसभा सांसदों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, उसमें एनसीपी प्रमुख शरद पवार, फौजिया खान (सपा), प्रियंका चतुर्वेदी (ठाकरे गुट), रजनी पाटील (कांग्रेस), धैर्यशील पाटील (बीजेपी), भागवत कराड (बीजेपी) और रामदास आठवले (बीजेपी) शामिल हैं। राज्य विधानसभा में मौजूदा संख्या बल को देखते हुए 7 में से 6 सीटों पर महायुति के चुनाव जीतने की स्थिति में है। एक सीट महाविकास आघाडी के खाते में जा सकती है। अप्रैल में राज्यसभा चुनाव के बाद राज्यसभा में बीजेपी के सदस्यों की संख्या बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने कहा है कि शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेता का दिल्ली में होना महाराष्ट्र के लिए जरूरी है। बता दें कि महाराष्ट्र से राज्यसभा की कुल 19 सीटें हैं। इनमें 12 सीटें एनडीए के पास हैं, जबकि 7 सीटें महाविकास आघाडी के पास हैं। अप्रैल 2026 के बाद यह आंकड़े बदल जाएंगे।

एक सीट के इतने वोट की दरकार

जानकारों का कहना है कि विधानसभा में पार्टी के विधायकों की संख्या के आधार पर 7 सीटों में से बीजेपी को 4, राष्ट्रवादी (अजित गुट) को 1, शिंदे गुट को 1 सीट मिल सकती है। जबकि महाविकास आघाड़ी को सिर्फ 1 सीट से संतोष करना पड़ सकता है। जानकारों का कहना है कि एक राज्यसभा सीट के लिए उम्मीदवार को 37.5 विधायकों के वोट चाहिए। विधानसभा में बीजेपी के पास निर्दलीयों सहित 137, शिंदे गुट के पास 60, एनसीपी (अजित गुट) के 41 विधायक चुने गए हैं। जबकि विपक्षी दलों उद्धव ठाकरे गुट के पास 20, कांग्रेस के 16 और शरद पवार गुट के 10 विधायक हैं। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि 7 सीटों में से 6 सीटें महायुति को और 1 सीट महाविकास आघाड़ी को मिल सकती है।

12 जिला परिषद सीटों से भी परखेगी ताकत

महाराष्ट्र के 12 जिलों की 731 जिला परिषद सीटों और 125 पंचायत समितियों की 1,462 सीटों के लिए चुनाव आज हो रहा है। सभी बारह जिला परिषदों में कुल 731 सीटें है, जिनमें से 369 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। 83 सीटें अनुसूचित जाति, 25 सीटें अनुसूचित जनजाति और 191 सीटें पिछड़े वर्ग के नागरिकों के लिए आरक्षित हैं। इन सभी जिला परिषद सीटों के लिए कुल 2 हजार 624 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। सभी 125 पंचायत समितियों में कुल 1 हजार 462 सीटें हैं, जिनमें से 731 सीटें महिलाओं के लिए रिजर्व है। 166 सीटें अनुसूचित जाति, 38 सीटें अनुसूचित जनजाति और 342 सीटें पिछड़े वर्ग के नागरिकों के लिए आरक्षित है। राज्य के 12 जिलों में जिला परिषद चुनाव हो रहे हैं। दादा (अजीत पवार) चुनाव प्रचार में सक्रिय रूप से भाग लेते थे और अपनी पार्टी और कार्यकर्ताओं के लिए खड़े होते थे। दुर्भाग्य से, दादा अब हमारे बीच नहीं हैं। दादा हमेशा चाहते थे कि उनके कार्यकर्ता सत्ता में आएं। मैंने अपना वोट डाल दिया है। मुझे उम्मीद है कि दादा की अपनी पार्टी, कार्यकर्ताओं और अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए जो इच्छाएं थीं, वे पूरी होंगी। पिछले 10 दिनों में और अगले 3 दिनों में हमारे परिवार में कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई है और न ही होगी। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री और पूर्व उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों के लिए अपना वोट डाला।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

गाजियाबाद की घटना बड़े खतरे की चेतावनी

गाजियाबाद में एक ही परिवार की तीन नाबालिग बहनों की मौत की खबर समूचे समाज को हिलाने वाही है यह घटना सिर्फ एक परिवार पर आई त्रासदी नहीं है, बल्कि डिजिटल दौर में बच्चों के सामने खड़े होते जा रहे बड़े खतरे को लेकर चेतावनी भी है। भारत में भी अब ठोस और कड़े कदम उठाने की जरूरत है। सलाह और जागरूकता अभियान काफी नहीं, बल्कि स्पष्ट कानून, निगरानी और दंड का प्रावधान जरूरी है। साथ ही, अभिभावकों की भूमिका भी बेहद अहम है। बच्चों के व्यवहार में बदलाव, चिड़चिड़ापन या एकांतप्रियता जैसे संकेतों को गंभीरता से लेना होगा। उन्हें खेल, कला, पढ़ाई और परिवार के साथ समय बिताने के अवसर भी देने होंगे। बच्चों को तकनीक के भरोसे नहीं छोड़ें, बल्कि संवेदनशीलता के साथ उनका हाथ थामें। ऑनलाइन गेमिंग की आदी इन बहनों का स्कूल भी नियमित नहीं हो रहा था। चिंता यह है कि बच्चे अब स्क्रीन के सहारे अपनी दुनिया गढ़ने लगे हैं। ऑनलाइन गेमिंग आज महज मनोरंजन का साधन ही नहीं रह गई है।

तकनीक जिस गति से हमारे जीवन में घुसी है, वैसे इसके दुष्प्रभावों से निपटने की तैयारी नहीं हुई। यह एक ऐसा उद्योग बन चुका है, जो बच्चों और किशोरों की मानसिक कमजोरियों को पहचानकर उन्हें लंबे समय तक स्क्रीन से बांधे रखने की रणनीति पर काम करता है। इन खेलों की बनावट ही ऐसी होती है कि खिलाड़ी बार-बार लौटने को मजबूर हो जाता है। लेवल, रिवॉर्ड, वर्चुअल करेंसी और लगातार मिलने वाली चुनौतियां दिमाग में एक तरह की लत पैदा करती है। बच्चों के लिए यह खतरा और भी बड़ा है, क्योंकि उनका मानसिक विकास अभी अधूरा होता है और वे जोखिम का आकलन करने में सक्षम नहीं होते। दरअसल, कोरोनाकाल के बाद यह समस्या और गहरा गई। स्कूल बंद हुए, खेल के मैदान सूने हो गए और बच्चों का सामाजिक दायरा सिमटकर मोबाइल स्क्रीन तक रह गया। कई परिवारों ने हालात की मजबूरी में बच्चों को फोन और टैबलेट थमा दिए, ताकि वे घर में व्यस्त रहें। लेकिन धीरे-धीरे यही सुविधा लत में बदलती चली गई। आज, जो बच्चे घंटों तक ऑनलाइन गेम में डूबे रहते हैं उनका वास्तविक दुनिया से रिश्ता कमजोर होता जा रहा है। बड़ा सवाल जिम्मेदारी का है। क्या केवल अभिभावक जिम्मेदार हैं? या वह व्यवस्था भी, जो मुनाफे की अंधी दौड़ में बच्चों को उपभोक्ता की तरह देखने लगी है? ऑनलाइन गेमिंग कंपनियां यह जानती हैं कि उनका बड़ा बाजार बच्चे और किशोर हैं, फिर भी वे उम्र-सीमा, समय-सीमा और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े जोखिमों को गंभीरता से नहीं लेतीं। स्व-नियमन की बातें अक्सर कागजों तक सीमित रह जाती हैं। दुनिया के कई देशों ने खतरे को समझते हुए सख्त कदम उठाए हैं। साफ है कि जब सरकारें सख्ती दिखाती हैं, तभी कंपनियां जिम्मेदारी से नियम बनाती हैं।

“ सलाह और जागरूकता अभियान काफी नहीं, बल्कि स्पष्ट कानून, निगरानी और दंड का प्रावधान जरूरी है। साथ ही, अभिभावकों की भूमिका भी बेहद अहम है। बच्चों के व्यवहार में बदलाव, चिड़चिड़ापन या एकांतप्रियता जैसे संकेतों को गंभीरता से लेना होगा। उन्हें खेल, कला, पढ़ाई और परिवार के साथ समय बिताने के अवसर भी देने होंगे। बच्चों को तकनीक के भरोसे नहीं छोड़ें, बल्कि संवेदनशीलता के साथ उनका हाथ थामें।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बेरोजगारी भी बढ़ा सकता है खाद्य पदार्थों का आयात

देवेंद्र शर्मा

शेक्सपियर के नाटकों में द्वंद्वात्मक कथानक की तरह, एक बड़ी दुविधा यह है कि किस पर विश्वास करें और किस पर नहीं। जहां एक ओर अमेरिकी कृषि मंत्री ब्रुक रोलिंस ने भारत के साथ एक बढ़िया व्यापार संधि-'अमेरिकी किसानों के लिए फायदेमंद है'- के लिए अपने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद दिया है, तो वहीं दूसरी तरफ भारतीय वाणिज्य मिनिस्टर पीयूष गोयल ने भी अमेरिका के साथ 'ऐतिहासिक संधि' के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है और दोहराया है कि यह करते वक्त भारत के संवेदनशील कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को सुरक्षित रखा गया है। क्या यह दोनों लोकतंत्रों के लिए 'परस्पर जीत' वाली स्थिति है या यह जोर-जबरदस्ती और मनमानी का नतीजा है, इसकी पुष्टि तो विवरण से ही हो पाएगी। लेकिन जो बातें सार्वजनिक तौर पर चली हुई हैं, उन्होंने पहले ही देशभर की किसान यूनियनों की रीढ़ में सिहरन की लहर दौड़ा दी है। उनके पास ऐसी चिंता करने के लिए पर्याप्त कारण भी हैं। ऐसे समय में जब घरेलू खेती पहले से ही संत्रास में है, किसानों को मंडियों में घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी से 30 से 40 फीसदी कम दाम मिल रहे हैं, भारत के विशाल बाजार को सस्ते और बहुत ज्यादा सब्सिडी वाले खेती उत्पादों के लिए और खोलने से खेती-बाड़ी पर बहुत बुरा असर पड़ेगा। अमेरिकी किसानों को पहले से ही हर साल भारी सब्सिडी मिलती है, जो कि तकरीबन 66,314 डॉलर प्रति किसान वार्षिक जितनी है (एग्रीकल्चरल रिसोर्स मैनेजमेंट सर्वे, 2020), यह उन्हें उतार-चढ़ावों से बचाती है। इसके अलावा, अमेरिकी प्रशासन वर्ष 2026 में फार्मर्स ब्रिज असिस्टेंस प्रोग्राम (एफबीए) के तहत किसानों को होने वाले प्रति एकड़ नुकसान की भरपाई हेतु 12 बिलियन डॉलर की मदद उत्पाद भुगतान मद के तहत देने की योजना बना रहा है। ट्रंप ने इसको 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' का नाम दिया है। ऐसे में जब अमेरिका भारत व्यापार संधि के विवरण का अभी इंतजार है, अमेरिका और भारत, दोनों पक्ष बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं। ब्रुक रोलिंस ने तो सोशल मीडिया पर यह तक कह डाला है कि इस समझौते से 'भारत के विशाल बाजार को अमेरिकी कृषि उत्पादों का अधिक निर्यात हो पाएगा, जिससे कीमतें ऊपर उठेंगी और ग्रामीण अमेरिका में अधिक नकदी आएगी'। यह कथन मोटे तौर पर व्यापार समझौते की शर्तों के मुताबिक है, जिसका जिक्र ट्विटर पर अपनी

पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने किया था कि अमेरिका में आयात होने वाले भारतीय उत्पादों पर टैरिफ 50 से घटाकर 18 परसेंट कर दी गई है और भारत में नॉन-टैरिफ बैरियर हटाने के अतिरिक्त अमेरिकी निर्यात पर आयात कर शून्य कर दिया जाएगा। इस बीच, भारत के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान किसानों को भरोसा दिला रहे हैं कि यह समझौता किसानों के हितों को 'सुरक्षित' रखने के बाद ही किया गया है। इन भरोसे के बावजूद, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की खबर ने पहले ही किसान समुदाय को परेशान कर डाला है। भारत सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए, जो कोई अन्य जानकारी देने से बच रही है, कई किसान नेताओं ने शक जताया है कि क्या किसानों के हितों की रक्षा में वास्तव में हुई है। संयुक्त किसान मोर्चा ने एक बयान में चेतावनी दी है कि आयात शुल्क शून्य होने से सस्ते आयातित उत्पादों की बाढ़ आ जाएगी, और इसलिए 12 फरवरी से नए विरोध प्रदर्शनों की धमकी दी है। किसान नेताओं का कहना है कि प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन 2020-21 के विरोध प्रदर्शनों की तर्ज पर होंगे। किसान समुदाय को इस बात का भी गुस्सा है कि बजट-2026 में कृषि आय को बढ़ाने के लिए जरूरी उपायों पर ज्यादातर चुप्पी रही है, और पहले से ही संकट झेल रहे कृषि क्षेत्र की रक्षा के लिए लाल लकीर कहां खींची जाए, इस पर किसानों से कोई सलाह-मशविरा नहीं किया गया है। इसके अलावा, सबसे अमीर व्यापारिक समूह, ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (ओईसीडी) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि भारतीय किसानों को 2000-01 और 2024-25 के बीच कुल मिलाकर 111 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है, लिहाजा किसानों के लिए एक और बड़ा झटका सहना मुश्किल होगा। हिमाचल प्रदेश में सेब बागवान संघ के अध्यक्ष हरीश चौहान ने चेतावनी दी है 'यह असहाय किसान समुदाय पर बड़े हथौड़े की मार जैसा होगा'। उन्होंने डर जताया कि यूरोपियन यूनियन और न्यूजीलैंड के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते की वजह से सेब को जिस स्तर पर भारतीय बाजार में घुसपैठ मिल गई है, वह अभूतपूर्व है, जिसकी वजह से पहाड़ी राज्यों में सेब उद्योग को भय सता रहा है कि उसका अंत व्यवस्थात्मक ढंग से होने वाला है।

स्वच्छ भारत मिशन को रफ्तार देते इलेक्ट्रिक वाहन

समरध सिंह चौहान

बीते कुछ वर्षों में स्वच्छ भारत मिशन से शहरी स्वच्छता में क्रांतिकारी बदलाव आया है। देश के लगभग सभी शहरों में घरों के दरवाजे से कचरे का संग्रहण (डोर-टू-डोर वेस्ट कलेक्शन) अब एक सामान्य और नियमित व्यवस्था बन चुकी है। दूसरी तरफ, 'फेम' और हालिया घोषित 'पीएम ई-ड्राइव' जैसी योजनाएं भारत के 'क्लीन मोबिलिटी' के लक्ष्य को आगे बढ़ा रही हैं। कचरा संग्रहण वाहनों के इलेक्ट्रिफिकेशन (पेट्रोल/ डीजल/ सीएनजी वाहनों की जगह इ-वाहनों का उपयोग) से, ये दोनों प्रमुख राष्ट्रीय प्राथमिकताएं परस्पर जुड़ सकती हैं। इससे कचरा संग्रहण वाहनों की परिचालन लागत घट सकती है व इन प्रदूषण-मुक्त वाहनों से स्वच्छ भारत मिशन के प्रभाव और व्यापक बनाये जा सकते हैं। भारतीय शहरों में सालाना करीब 1.4 से 1.6 लाख टन शहरी कचरा निकलता है। साल 2016 से 2024 के बीच, शहरी निकायों में कचरा संग्रहण में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है।

राष्ट्रीय स्तर पर इसका दायरा 44 प्रतिशत वार्डों से बढ़कर अब 97 प्रतिशत वार्डों तक पहुंच गया है, जो लगभग पूर्ण-विस्तार के नजदीक है। इसी वजह से शहरी निकायों के वाहनों का बेड़ा देश में सबसे बड़े संगठित वाहन बेड़े में से एक बन गया है। हालांकि, देश में 70 प्रतिशत से अधिक कचरा 'जनगणना श्रेणी-1' के शहरों (1 लाख से अधिक आबादी) से निकलता है, जो सालाना 3-4 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) के हालिया शोध के अनुसार, बढ़ती जनसंख्या और कचरे की मात्रा में वृद्धि को देखते हुए इन शहरों को 2030 तक डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के लिए 80,000 नए वाहन चाहिये। शहरी कचरा प्रबंधन के लिए आवंटित कुल बजट का करीब आधा हिस्सा कचरा संग्रहण व ढुलाई पर खर्च होता है। इतने अधिक वित्तीय बोझ के अलावा डीजल या सीएनजी वाहनों से कचरा संग्रहण और ढुलाई का पर्यावरण पर असर पड़ता है।

अमृतसर के उदाहरण के साथ सीईईडब्ल्यू का अध्ययन बताता है कि कचरा संग्रहण वाहनों का इलेक्ट्रिफिकेशन कितना लाभ दे सकता है। अभी अमृतसर में कचरा संग्रहण व ढुलाई में 200-220 चौपहिया डीजल वाहन इस्तेमाल होते हैं, जो रोजाना 400 टन से अधिक कचरे का प्रबंधन करते हैं। प्रतिदिन प्रति वाहन औसत उपयोग 15-20 किमी है। इस उपयोग स्तर पर इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन अपने पूरे जीवनकाल में मौजूदा वाहनों के मुकाबले 25-30 फीसदी किफायती साबित होंगे, जिससे नगर निगम का सालाना ईंधन खर्च 60-80 फीसदी कम होगा। भारतीय शहरों में आमतौर पर कचरा संग्रहण वाहन प्रतिदिन 15-55 किमी दूरी तय करते हैं, जिनमें तीन व चार पहिया वाहन शामिल हैं। प्रतिदिन प्रति वाहन 50-60 किमी अधिकतम उपयोग स्तर पर इ-तिपहिया वाहन सबसे किफायती विकल्प हैं, जबकि इलेक्ट्रिक चौपहिया वाहन डीजल व सीएनजी वाहनों के मुकाबले सस्ते पड़ते हैं। प्रत्येक इ-वाहन सालाना लगभग 83 किलोग्राम सूक्ष्म कणों (पीएम 2.5) और आधा टन नाइट्रोजन ऑक्साइड का उत्सर्जन घटा सकता है।

कचरा संग्रहण वाहनों के इलेक्ट्रिफिकेशन का आधार काफी मजबूत है। चूंकि ये वाहन तय मार्गों पर चलते हैं और लौटकर डिपो में खड़े होते हैं, इसलिए इन्हें रात में चार्ज करना संभव है। इससे वाहनों की दूरी तय करने की चिंता खत्म होती है। लखनऊ, चेन्नई और इंदौर जैसे शहर कचरा संग्रहण के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल शुरू कर चुके हैं। इन सफलताओं को देश के सभी शहरों में लागू करने को एक सुनियोजित रोडमैप की जरूरत है। सबसे पहले, शहरी स्थानीय निकायों को पायलट प्रोजेक्ट्स के जरिए इ-वाहनों के प्रति भरोसे में लेना चाहिए। कचरा प्रबंधन में विशेष काम शामिल होते हैं, खास तौर पर गीले कचरे के प्रबंधन में। इसलिए, पायलट प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देना चाहिए, दूसरे शहरों के अनुभवों से सीखने के साथ-साथ शहरस्तरीय कार्यशालाएं आयोजित हों। इससे अधिकारियों और वाहन संचालकों को जमीनी स्थितियों में इ-वाहनों की क्षमता, चार्जिंग जरूरतों और रखरखाव को समझने में मदद मिल सकती है। दूसरा, शहरों को कचरा संग्रहण वाहनों की जगह इलेक्ट्रिक वाहन लाने की चरणबद्ध योजनाएं बनानी चाहिए। शहरी निकाय अपने मौजूदा वाहनों की आयु, ईंधन के प्रकार और दैनिक उपयोग के आधार पर विवरण तैयार करें और पुराने वाहनों को हटाने के क्रम में इ-वाहन लाने का लक्ष्य तय करें। चरणबद्ध योजनाएं वाहन खरीद को राष्ट्रीय - राज्यों के इलेक्ट्रिक-मोबिलिटी लक्ष्यों के साथ तालमेल लाने में मदद करेंगी।

तीसरा, नीतिगत प्रोत्साहनों का लक्ष्य बहुत सटीक होना चाहिए। राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय ईवी नीतियां कचरा-संग्रहण वाहनों को विशेष सब्सिडी देकर शुरुआती लागत घटा सकती हैं। थोक खरीद के लिए संयुक्त निविदाओं के जरिए विभिन्न शहरों की मांगों को आपस में जोड़कर इनकी कीमत को और कम किया जा सकता है। कचरा संग्रहण वाहनों के इलेक्ट्रिफिकेशन के लिए राज्यों के स्तर पर विशेष आवंटन किया जा सकता है। केंद्रीय बजट 2026-27 ने 16वें वित्त आयोग के 'बिना शर्त अनुदान' के जरिए शहरों को वित्तीय स्वायत्तता दी है। यह अनुदान कचरा संग्रहण वाहन इलेक्ट्रिफिकेशन के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। 'स्वच्छ सर्वेक्षण' में ऐसे रैंकिंग मापदंड जोड़े जा सकते हैं, जो कचरा संग्रहण में इ-वाहनों को प्रोत्साहित करें। अभी से 50 प्रतिशत ईवी और 2027 से सिर्फ ईवी खरीदने की अनिवार्यता के साथ, भारत इस दशक के अंत तक कचरा संग्रहण के लिए 65 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन को लाने का लक्ष्य पा सकता है। स्वच्छ भारत मिशन की अगली बड़ी छलांग इन्हीं इलेक्ट्रिक वाहनों से आएगी।

हरे मटर से बनाएं शाही बर्फी

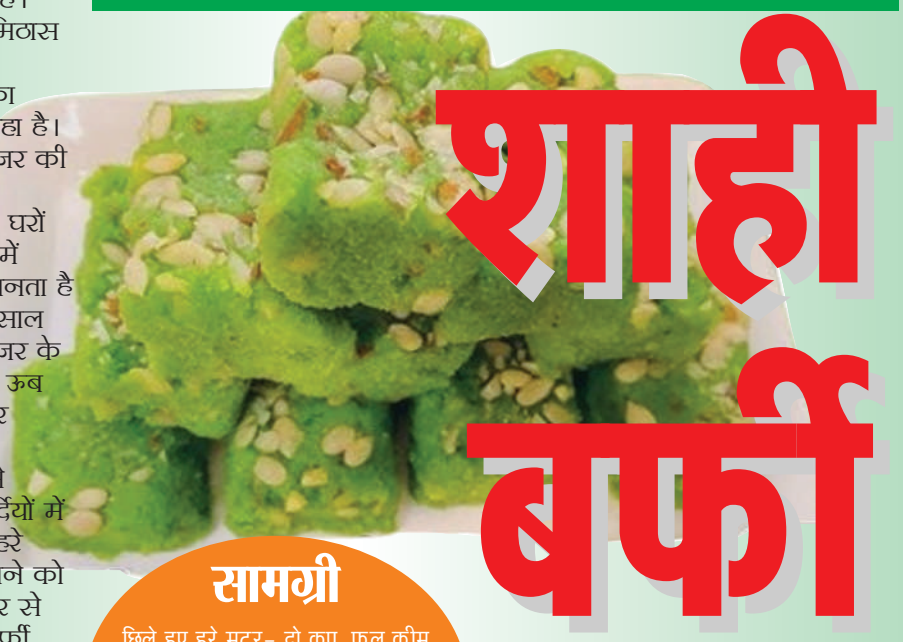

सर्दी के मौसम में रसोई में घी की खुशबू, धीमी आंच और मिठास की परंपरा लौट आती है। बरसों सर्दियों में मिठास घोलने का काम पारंपरिक गाजर का हलवा करता आ रहा है। इस मौसम में गाजर की बहार आ जाती है। अधिकतर भारतीय घरों में ठंड के मौसम में गाजर का हलवा बनता है लेकिन अगर हर साल उसी पारंपरिक गाजर के हलवे के स्वाद से ऊब चुके हैं तो इस बार सर्दियों की दूसरी लोकप्रिय सब्जी से मिठाई बनाएं। सर्दियों में गाजर के अलावा हरे मटर भी खूब देखने को मिलते हैं। हरे मटर से बनी शाही मटर बर्फी देसी, स्वादिष्ट और सेहतमंद मिठाई हो सकती है। मटर, जिसे हम सब्ज़ी या पराठे तक सीमित रखते हैं, वही मटर जब खोया, दूध और घी के साथ मिलती है तो एक ऐसी बर्फी बनती है जो रंग में पिस्ता सी, स्वाद में शाही और बनावट में बिल्कुल बाजार जैसी लगती है।

सामग्री

छिले हुए हरे मटर- दो कप, फुल क्रीम दूध- आधा कप, खोया (मावा)- एक कप, चीनी- 3/4 कप स्वादानुसार, देसी घी- 4 बड़ा चम्मच, इलायची पाउडर- आधा चम्मच, पिस्ता/काजू कटे हुए- गार्निश के लिए।

विधि

छिले हुए हरे मटर को धोकर थोड़े से दूध के साथ मिक्सी में बारीक पेस्ट बना लें। पेस्ट जितना स्मूद होगा, बर्फी उतनी ही स्वादिष्ट बनेगी। कढ़ाही में देसी घी गर्म करें। अब इसमें मटर का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर लगातार चलाते हुए भूनें।

यह चरण सबसे अहम है जब तक कच्चे मटर की खुशबू खत्म न हो जाए। अब इसमें खोया डालें और अच्छे से मिलाएं। जब खोया गलकर मटर के मिश्रण में समा जाए, तब चीनी डालें। मिश्रण गाढ़ा होकर कढ़ाही छोड़ने लगे, तब इलायची पाउडर डालें और एक दो मिनट और पकाएं।

तब तक एक थाली में घी लगाकर फैला लें। गैस बंद करके चिकनी थाली में इस मिश्रण को फैलाएं। ऊपर से ड्राई फ्रूट्स डालें। हल्का ठंडा होने पर मनचाहे आकार में काट लें।

सेहत का खजाना है खसखस का हलवा

सर्दियों के मौसम में शरीर को ज्यादा पोषण की आवश्यता होती है। ठंड में ऊर्जा, गर्माहट और मज़बूती के लिए खसखस (पोस्ता) का सेवन लाभदायक हो सकता है। आमतौर पर सर्दियों में भारतीय किचन गाजर का हलवा या मूंग दाल हलवा तक सीमित रह जाते हैं, लेकिन खसखस का हलवा स्वाद और सेहत, दोनों में उनसे कहीं आगे है। आयुर्वेद में खसखस को तासीर में गर्म, नसों को मजबूत करने वाला और दिमाग को शांत रखने वाला माना गया है। इसमें मौजूद कैल्शियम, आयरन और हेल्दी फैट्स सर्दियों में शरीर को भीतर से मजबूत बनाते हैं। खास बात यह कि खसखस का हलवा सिर्फ मीठा व्यंजन नहीं, बल्कि ऊर्जा और संतुलन देने वाला देसी टॉनिक है। एक बार सही तरीके से बना लिया तो इसका नर्म स्वाद और खुशबू आपको गाजर या मूंग के हलवे को भूलने पर मजबूर कर देगी।

सामग्री

खसखस आधा कप, दूध- 2 कप, देसी घी- 3 टेबलस्पून, चीनी या गुड़- स्वादानुसार, इलायची पाउडर- आधा चम्मच, ड्राई फ्रूट्स इच्छानुसार।

विधि

खसखस को 4-5 घंटे भिगोकर बारीक पीस लें। कढ़ाही में घी गरम करें, पिसा खसखस डालकर धीमी आंच पर भूनें। खुशबू आने लगे तो दूध डालें और लगातार चलाएं। मिश्रण गाढ़ा होने पर चीनी या गुड़ और इलायची मिलाएं। ड्राई फ्रूट्स डालकर 2-3 मिनट पकाएं। अब गर्मागर्म खसखस का हलवा परोसें।

खसखस खाने के फायदे

शरीर को अंदर से गर्म रखता है। कमजोरी और थकान में फायदेमंद है। हड्डियों के लिए कैल्शियम का अच्छा स्रोत है। नींद और मानसिक शांति में मदद करता है। स्किन और बालों को पोषण देता है।

हंसना मना है

प्रेमिका: मैं किसी और से शादी कर रही हूं, तुम मुझे भूल जाओ! प्रेमी: न तेरे आने की खुशी, न तेरे जाने का गम! जा बहन जा, दूसरी पटा लेंगे हम।

लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड से फोन पर कहा: मैं कल तुमसे मिलने नहीं आ सकती। बॉयफ्रेंड ओह ! बॉयफ्रेंड बोला- चलो मैं तुम्हारा गिफ्ट किसी और को दे देता हूं। लड़की : हरे मेरा मतलब था, मैं कल नहीं आ सकती! अभी बताओ कहां हो तुम?

महात्मा (शराबी से)- तुम्हारी श्वांस में शराब की ऐसी बदबू आती है कि तुम्हें स्वर्ग और नरक में जगह नहीं मिलेगी, शराबी (महात्मा से)- मगर मरने के बाद मैं अपनी श्वांस यहीं छोड़ जाऊंगा।

एक खूबसूरत लड़की बस स्टैंड पर खड़ी थी। एक नौजवान बोला- चांद तो रात में निकलता हैं , आज दिन में कैसे निकल आया? लडकी बोली- अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा हैं।

कहानी — बैल और शेर

एक जंगल में तीन बैल रहा करते थे। तीनों आपस में अच्छे मित्र थे। वो घास चरने के लिए जंगल में एक साथ ही जाया करते थे। उसी जंगल में एक खूंखार शेर भी रहता था। इस शेर की कई दिनों से इन तीनों बैल पर नजर थी। वह इन तीनों को मारकर खा जाना चाहता था। उसने कई बार बैलों पर आक्रमण भी किया, लेकिन बैलों की आपसी मित्रता के कारण वो कभी सफल नहीं हो पाया। जब शेर उन पर हमला करता था, तो तीनों बैल त्रिकोण बनाकर अपने नुकीले सींगों से अपनी रक्षा करते थे। तीनों बैल साथ मिलकर कई बार शेर को भगा चुके थे, लेकिन शेर कैसे भी करके उन तीनों को खाना चाहता था। शेर यह समझ गया था कि जब तक ये तीनों साथ रहेंगे, इन्हें मारा नहीं जा सकता है। इसलिए, उसने एक दिन इन तीनों को अलग करने के लिए एक चाल चली। शेर ने बैलों को अलग करने के लिए जंगल में एक अफवाह उड़ा दी। अफवाह यह थी कि इन तीनों बैलों में से एक बैल अपने साथियों को धोखा दे रहा है। बस फिर क्या था, बैलों के बीच इस बात को लेकर शक बैठ गया कि आखिर वो कौन है, जो हमें धोखा दे रहा है? एक दिन इसी बात को लेकर तीनों बैलों में झगड़ा हो गया। शेर ने जो सोचा था, वो हो गया था। अब तीनों बैल अलग-अलग रहने लगे थे। उनकी दोस्ती टूट चुकी थी। अब वो अलग-अलग होकर जंगल में चरने जाने लगे थे। बस शेर को इसी मौके का इंतजार था। शेर ने एक दिन उन तीनों बैलों में से एक पर हमला बोल दिया। अकेले पड़ जाने की वजह से वह बैल शेर का मुकाबला नहीं कर पाया और शेर ने उसे मार डाला। कुछ दिनों के बाद शेर ने दूसरे बैल पर भी हमला कर दिया और उसे मारकर खा गया। अब सिर्फ एक बैल बचा था। वह समझ गया था कि शेर अब उसको भी मार डालेगा। उसके पास बचने की कोई उम्मीद नहीं थी। वह अकेले शेर का मुकाबला नहीं कर सकता था। एक दिन जब वह जंगल में घास चरने गया था, तो शेर ने उसे भी अपना शिकार बना लिया। शेर की चाल पूरी तरह कामयाब हुई और उसने तीनों बैलों की दोस्ती तोड़कर उन्हें अपना शिकार बना लिया था।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। यात्रा व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। कानूनी मामलों में लापरवाही न करें।

वृषभ — विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक जिम्मेदारी का पूर्ण ध्यान रखें।

मिथुन — बुरी खबर मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दौड़धूप अधिक होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे। सामाजिक कार्यों में सीमित रहें।

कर्क — मेहनत का फल मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश, यात्रा व नौकरी लाभ देंगे। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे।

सिंह — अतिथियों का आगमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। स्वाभिमान रहेगा। प्रमाद न करें। बुद्धि चातुर्य से कठिन कार्य भी आसानी से बनेंगे।

कन्या — यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भौतिक विकास के कार्यों को बल मिलेगा। भागीदारी के प्रस्ताव आएँगे। दिनचर्या नियमित रहेगी।

तुला — क्रोध पर नियंत्रण रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों पर अतिविश्वास न करें। नई योजनाओं का सूत्रपात होगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

वृश्चिक — लेन-देन में सावधानी रखें। पुरानी लेनदारी वसूल होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। फालतू खर्च होगा।

धनु — योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। अधूरे पड़े कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से संबंधों में मधुरता आएगी।

मकर — धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नए प्रस्ताव प्राप्त होंगे। सुखद यात्रा के योग हैं।

कुम्भ — वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। सोच-समझकर व्यय करें। दूसरों से व्यर्थ में न उलझें।

मीन — प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। कानूनी बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। परोपकारी स्वभाव होने से दूसरों की मदद कर पाएंगे।

घूसखोर पंडत के बाद अब ओ रोमियो पर लटकी तलवार

मनोज बाजपेयी की आगामी फिल्म 'घूसखोर पंडित' को लेकर इन दिनों विवाद गर्माया हुआ है। फिल्म रिलीज से पहले ही अपने टाइटल को लेकर विवादों में घिर गई है। इस बीच अब शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की आगामी फिल्म 'ओ रोमियो' भी कानूनी पचड़े में फंस गई है। फिल्म को लेकर कोर्ट में याचिका दायर कर रिलीज पर रोक लगाने की मांग की गई है।

विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी 'ओ रोमियो' की रिलीज पर अब खतरा मंडराने लगा है। वजह है फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग। दरअसल, 'ओ रोमियो' को लेकर मुंबई के गैंगस्टर हुसैन उस्तरा की बेटी सनोबर शेख ने आपत्ति जताई है। उन्होंने कोर्ट में याचिका दायर करते हुए फिल्म पर रोक लगाने की मांग की है। हुसैन 'उस्तरा' शेख की बेटी ने फिल्म की रिलीज रोकने के लिए पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है और कोर्ट का रुख करते हुए रिलीज पर रोक लगाने की याचिका भी दायर की है। सनोबर शेख का कहना है कि ट्रेलर में उनके पिता की छवि को गलत तरीके से पेश करने की कोशिश की गई है। ट्रेलर में उन्हें सनकी और गैंगस्टर के

तौर पर दिखाया गया है। फिल्म के रिलीज से उन्हें और उनके बच्चों को गहरी क्षति पहुंचेगी।

सनोबर शेख का कहना है कि उनके पिता ने पूरे भारत में, विशेष रूप से मुंबई में अपराधों को रोकने में योगदान दिया। उन्होंने अपराधियों से निपटने में पुलिस और खुफिया एजेंसियों की मदद की, लेकिन फिल्म में उन्हें गलत तरीके से दिखाने की कोशिश की गई है। सनोबर शेख ने कोर्ट में दाखिल की गई याचिका में दावा किया है कि फिल्म उनके पिता की जीवनी पर बनी है और उनके पिता के जीवन को गैंगस्टर जैसा दिखाने की कोशिश की गई है। उन्होंने फिल्म के निर्देशक विशाल भारद्वाज और पत्रकार-लेखक हुसैन जैदी के खिलाफ कोर्ट में याचिका और पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान निर्देशक विशाल भारद्वाज ने ये स्पष्ट किया था कि 'ओ रोमियो' लेखक हुसैन जैदी की किताब %माफिया क्वीन्स ऑफ मुंबई% पर आधारित है। हालांकि, फिल्म में उन्होंने कई जगह क्रिएटिव लिबर्टी भी ली है। इसके चलते कई हिस्सों में बदलाव है। विशाल भारद्वाज ने कहा था कि इसीलिए उन्होंने गैंगस्टर हुसैन उस्तरा के परिवार से कोई अनुमति नहीं ली, क्योंकि उन्होंने हुसैन जैदी से उनकी किताब के राइट्स लिए थे। विशाल भारद्वाज का कहना है कि गैंगस्टर के परिवार से हुसैन जैदी को अनुमति लेनी चाहिए थी या उन्होंने अनुमति ली होगी। मेरी फिल्म हुसैन जैदी की किताब पर है, इसलिए मैंने उनसे राइट्स लिए हैं।

हालिया इंटरव्यू में हुसैन जैदी ने भी ये कहा था कि फिल्म सौ प्रतिशत हुसैन उस्तारा शेख की जीवनी पर आधारित नहीं है। सिर्फ आंशिक तौर पर हुसैन उस्तरा के किरदार से प्रेरित है।

फिल्म शक्ति शालिनी में अनीत पड्डा के साथ नजर आयेंगे विशाल जेठवा

शक्ति शालिनी मैडॉक यूनिवर्स की मच अवेटेड फिल्म है। फिल्म में 'सैयारा' स्टार अनीत पड्डा नजर आएंगी। इस मूवी की शूटिंग मार्च में शुरू होगी। फिल्म में जबरदस्त ड्रामा और एक्शन देखने को मिलेगा। हाल ही इस फिल्म के मेल एक्टर को लेकर भी अपडेट सामने आई है।

'शक्ति शालिनी' एक फीमेल-लेड एक्शन ड्रामा फिल्म है। इंडिया टुडे की खबर के मुताबिक विशाल जेठवा ने यह फिल्म साइन कर ली है। मैडॉक यूनिवर्स की इस फिल्म में वह अनीत पड्डा के साथ नजर आएंगे। वह फिल्म में अनीत के किरदार के लवर का रोल करेंगे। 'शक्ति शालिनी' में जबरदस्त एक्शन के साथ-साथ एक पर्सनल

और इमोशनल एंगल भी देखने को मिलेगा। यह फिल्म 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स आगे भी मजेदार फिल्में ला रहा है। इसी साल के अगस्त में भेड़िया 2 और साल के आखिर में चामुंडा फिल्म भी रिलीज हो सकती है।

विशाल जेठवा ने 'होमबाउंड' और 'मर्दानी 2' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया था। उनकी फिल्म 'होमबाउंड' तो ऑस्कर 2026 में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटिगरी में भी शॉर्टलिस्ट की गई थी। इस फिल्म में भी विशाल के अभिनय को सराहा गया था।

बॉलीवुड | **मन की बात**

मैं चाहता हूं पाकिस्तान भारत के खिलाफ खेले : सुनील शेट्टी

सुनील शेट्टी ने एक बार फिर क्रिकेट मैच को लेकर हमेशा की तरह अपनी बात रखी है। पाकिस्तान ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप स्टेज मैच में भारत के खिलाफ बॉयकॉट करने का फैसला किया है। यह मैच कोलंबो में 15 फरवरी को खेला जाना था। उसके इस फैसले पर एक्टर ने बात की है। मुंबई में फिल्म ब्लैक स्कॉर्पियन- टू हेल एंड बैक के लॉन्च के मौके पर मीडिया से बात करते हुए, बॉर्डर के एक्टर ने उम्मीद जताई कि यह रोमांचक मुकाबला अभी भी होगा। सुनील शेट्टी ने कहा, मैं चाहता हूं कि पाकिस्तान श्रीलंका आए और भारत के खिलाफ खेले। भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच वैसी ही खूबसूरत राइवलरी है जैसी ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज में है। सुनील शेट्टी का ये कमेंट ऐसे समय में आया है जब आगामी टी-20 विश्वकप में भारत-पाकिस्तान के मैच को लेकर अनिश्चितता का माहौल है। पाकिस्तान ने हाल ही में ग्रुप स्टेज के इस मुकाबले का बॉयकॉट करने का फैसला किया है, क्योंकि पाकिस्तान सरकार ने इंटरनेट पर पोस्ट किया था कि पाकिस्तानी टीम भारत के खिलाफ मैदान में नहीं उतरेगी, हालांकि इसका कोई कारण नहीं बताया गया था। पाकिस्तान सरकार की घोषणा के बाद, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक बयान जारी कर इस घटनाक्रम पर चिंता जताई। वर्ल्ड क्रिकेट संस्था ने कहा कि चुनिंदा भागीदारी वैश्विक खेल आयोजन के वैल्यूज के विरुद्ध है और उसने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से सभी स्टेकहोल्डर्स को ध्यान में रखकर म्यूचुअल फैसला लेने को कहा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 15 फरवरी को होने वाले मैच के बॉयकॉट के पाकिस्तान के फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए इसे खेल भावना के विरुद्ध बताया।

बेहतरीन ठेकेदार होती हैं ये मादा कोबरा तैयार करती हैं आलीशान घोंसला

सांप का नाम सुनते ही मन में डर पैदा होता है। दुनिया में सांपों की कई प्रजातियां हैं। कुछ जहरीली नहीं होती हैं लेकिन कुछ के जहर की एक बूंद ही मौत देने के लिए काफी होते हैं। प्रकृति में कुछ सांप ऐसे भी हैं जो मां बनने पर इंजीनियर बन जाते हैं। इसी में शामिल है किंग कोबरा। ये दुनिया की एकमात्र सांप प्रजाति है जो घोंसला बनाती है। दक्षिण भारत के वेस्टर्न घाट्स में अप्रैल-मई के सूखे मौसम में मादा कोबरा पत्तों, टहनियों और मिट्टी से 1-2 मीटर ऊंचा और मजबूत गुंबदनुमा घोंसला तैयार करती है। इसके घोंसले की खूबसूरती देख आपको इसे आर्किटेक्ट स्किल पर नाज होगा। मादा कोबरा का घोंसला इतना मजबूत होता है कि भारी बारिश और शिकारियों से अंडों की सुरक्षा करता है। BBC Wildlife और रॉमुलस व्हिटेकर की रिपोर्ट्स के मुताबिक, मादा कोबरा सबसे पहले उपयुक्त जगह चुनती है। आमतौर पर बड़े पेड़ों या बांस के झुरमुट के नीचे, जहां पानी का जमाव नहीं होता और धूप-छांव का बैलेंस रहता है। फिर वह अपनी लंबी देह से पत्तियां इकट्ठा करती है, उन्हें कसकर लपेटती है और ढेर लगाती है। घंटों की मेहनत के बाद वह पूरे ढेर पर चढ़कर उसे दबाती और कॉम्पैक्ट करती है, जिससे एक वाटरप्रूफ गुंबद बन जाता है। इस घोंसले में 15-50 अंडे रखे जाते हैं। घोंसला बनने के बाद मादा 75-100 दिनों तक उसकी रखवाली करती है। वह बिना खाए-पीए, सिर्फ अंडों की सुरक्षा के लिए वहां रहती है। अगर कोई शिकारी (जैसे मॉनिटर लिजर्ड या अन्य सांप) पास आए तो वह हमला कर देती है। बच्चे निकलने के बाद भी वह कुछ दिनों तक उनकी सुरक्षा करती है। बच्चे बहुत छोटे (30-40 सेमी) और जहरीले पैदा होते हैं।यह व्यवहार किंग कोबरा को अन्य सांपों से अलग बनाता है। ज्यादातर सांप अंडे देती हैं और चली जाती हैं, लेकिन किंग कोबरा की मादा मातृत्व में सबसे आगे है। वैज्ञानिक इसे 'maternal care' का बेहतरीन उदाहरण मानते हैं। यह प्रक्रिया कठोर पर्यावरण के लिए अनुकूलित है। वेस्टर्न घाट्स में मानसून भारी होता है, इसलिए घोंसला वाटरप्रूफ और मजबूत होना जरूरी है। मादा की यह मेहनत प्रजाति को बचाने में मदद करती है।

अजब-गजब | **ये है यूपी पुलिस का सुपरकॉप बकरा!**

13 साल से थाने में कर रहा ड्यूटी, परेड और गश्त में भी शामिल होता है यह बकरा

पशुओं की वफादारी की कहानियां आपने कई बार सुनी होंगी, लेकिन छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले से सामने आया यह मामला हर किसी को हैरान कर रहा है। यहां एक पुलिस थाने में पिछले 13 सालों से एक बकरा बिना वेतन पूरी ईमानदारी से ड्यूटी निभा रहा है। यह बकरा न सिर्फ पुलिस जवानों के साथ परेड में शामिल होता है, बल्कि गश्त और बाजार ड्यूटी भी करता है। बलरामपुर पुलिस का यह अनोखा सिपाही आज पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।

बलरामपुर जिले के चांदो थाना में एक खास 'जवान' है, जो पिछले 13 वर्षों से पुलिस परिवार का हिस्सा बना हुआ है। आमतौर पर पुलिस लाइन में डॉग स्क्वॉड देखने को मिलता है, लेकिन यहां एक बकरा जवानों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलता है। यह बकरा पुलिस के साथ परेड में खड़ा होता है, जंगलों में गश्त पर जाता है और बाजार के दौरान भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराता है। जानकारी के मुताबिक, करीब 13 साल पहले यह बकरा एक कार्यक्रम के दौरान थाने लाया गया था और तत्कालीन थाना प्रभारी को भेंट किया गया था। कुछ समय बाद अधिकारी का तबादला हो गया, लेकिन बकरा थाने में ही रह गया। इसके बाद जो भी नया थाना प्रभारी आया, उसने इसकी मासूमियत और अपनापन देखकर इसे थाने में ही रहने दिया। धीरे-धीरे यह बकरा पुलिस परिवार का अभिन्न हिस्सा बन गया। इस बकरे की सबसे खास बात यह है कि यह सप्ताह में लगने वाले बाजार के दौरान खुद थाने से निकलकर मार्केट घूमने जाता है और समय पर वापस भी लौट आता है। शाम होते ही यह थाने में मोर्चे पर खड़ा नजर आता है। यह बकरा सिपाहियों के साथ परेड में भी खड़ा होता है और गश्त पर भी जाता है। इतना ही नहीं, थाने में आने वाले नए अधिकारियों को भी मानो इसकी 'अनौपचारिक मंजूरी' लेनी पड़ती है। आज यह बकरा सिर्फ एक जानवर नहीं, बल्कि पुलिस जवानों के लिए परिवार का सदस्य बन चुका है। बिना किसी वेतन और शिकायत के 13 सालों से ड्यूटी निभा रहा यह बकरा वफादारी की एक मिसाल बन गया है।

मान के विदेश दौरे पर रोक से मचा सियासी बवाल

» आप ने भाजपा को घेरा, सीएम बोले- पंजाब में निवेश प्रयासों में बाधा उत्पन्न

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का आगामी इन्वेस्टर्स समिट के लिए नीदरलैंड और चेक गणराज्य का दौरा केंद्र सरकार द्वारा पॉलिटिकल क्लीयरेंस न दिए जाने के कारण रद्द हो गया है। यह लगातार तीसरी बार है जब मान के विदेश दौरे को रोका गया है, जिससे पंजाब के निवेश प्रयासों में बाधा उत्पन्न हुई है। अब इसको लेकर सियासी बवाल मच गया है। आप ने भाजपा सरकार पर हमला बोला है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का नीदरलैंड और चेक गणराज्य का दौरा रद्द हो गया है। इसका कारण यह है कि केंद्र सरकार ने उनके पॉलिटिकल क्लीयरेंस के अनुरोध को रोक दिया और उनके दौरे पर कोई जवाब नहीं दिया।

नियमों के मुताबिक, किसी भी राज्य के मुख्यमंत्री को आधिकारिक विदेश यात्रा के लिए विदेश मंत्रालय से अनुमति लेनी होती है। हालांकि, मंत्रालय अक्सर मंजूरी न देने का कोई खास कारण सार्वजनिक रूप से नहीं बताता, जिससे यह मामला अब एक राजनीतिक विवाद बन गया है। यह पहली बार नहीं है जब मुख्यमंत्री मान को विदेश जाने से रोका गया हो। पिछले कुछ समय में यह तीसरी बार है जब उन्हें मंजूरी नहीं मिली। इससे पहले पिछले महीने ही उन्हें निवेश के सिलसिले में यूके और इजराइल में जाने की इजाजत नहीं दी गई थी। इससे पहले पेरिस ओलंपिक के दौरान भारतीय हॉकी टीम का उत्साह बढ़ाने के लिए उनके फ्रांस जाने के अनुरोध को भी केंद्र ने मना कर दिया था। अगले महीने पंजाब में इन्वेस्टर्स समिट होने वाला है। मुख्यमंत्री मान एक डेलिगेशन के साथ यूरोप के इन देशों में जाकर बड़ बिजनेसमैन से मिलना चाहते थे, ताकि पंजाब में विदेशी निवेश लाया जा सके और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले।

सीएम राज्य की अर्थव्यवस्था की मजबूती चाहते हैं

केंद्र सरकार जानबूझकर विपक्षी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को निशाना बना रही

इस मामले पर आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार पर कड़ा प्रहार किया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार जानबूझकर विपक्षी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को निशाना बना रही है। इस तरह की पाबंदियों से पंजाब के विकास और निवेश लाने की कोशिशों को नुकसान पहुंच रहा है। जब दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्री विदेश जा सकते हैं, तो पंजाब के मुख्यमंत्री को बार-बार क्यों रोका जा रहा है?

सीएम के आरोप पूरी तरह से बेतुके और झूठे : गौरव गोगोई

» असम में कांग्रेस व भाजपा में तकरार और तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम में कांग्रेस व भाजपा में तकरार और तेज हो गई। कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई व मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के बीच वार-पलटवार जारी है। आपकों बता दे सीएम व कांग्रेस नेता एक दूसरे पर आरोप लगाते रहते हैं। सीएम के पाकिस्तान से संबंधों के आरोपों को खारिज करते हुए गौरव ने उन पर 12,000 बीघा जमीन घोटाले का पलटवार किया है। गोगोई ने सरमा की प्रेस कॉन्फ्रेंस को सुपर फ्लॉप बताया, जिससे असम की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का एक नया दौर शुरू हो गया है।

असम कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के आरोपों को पूरी तरह से बेतुका और झूठा करार दिया है। गोगोई ने मुख्यमंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस का मजाक उड़ाते हुए उसे सी-ग्रेड सिनेमा से भी बदतर और सुपर फ्लॉप बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने ढाई घंटे तक मीडिया से बात की, लेकिन फिर भी कोई उनकी बातों से संतुष्ट नहीं हुआ और उन्होंने खुद को ही शर्मिंदा किया है। गोगोई ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि असम में अब कोई भी मुख्यमंत्री की बातों को गंभीरता से नहीं ले रहा है।

सीएम ने 12,000 बीघा जमीन में किया घोटाला

गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री पर पलटवार करते हुए भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा ने मुख्यमंत्री और उनके परिवार द्वारा कब्जा की गई 12,000 बीघा कीमती जमीन का पर्दाफाश किया है। गोगोई ने वादा किया कि जब कांग्रेस सत्ता में आएगी, तो वह इस जमीन को वापस लेकर गरीबों और भूमिहीनों के बीच बांट देगी।

गोगोई, उनकी पत्नी के एक पाकिस्तानी से गहरे संबंध: सरमा

इससे पहले, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गौरव गोगोई पर बेहद गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया कि गोगोई, उनकी पत्नी और एक पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख के बीच गहरे संबंध हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि गोगोई ने 2013 में पाकिस्तान की एक गोपनीय यात्रा की थी, जहां उन्होंने किसी प्रकार की ट्रेनिंग ली थी और वे भारत की खुफिया जानकारी पड़ोसी देश को लीक कर रहे हैं।

राजधानी में भूमाफियों के हौसले बुलंद

» सील मार्केट को रातों-रात खोलकर मिटाए गए सीलिंग के निशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे के खिलाफ कार्रवाई के बावजूद भूमाफियों के हौसले लगातार बुलंद नजर आ रहे हैं। 4पीएम में खबर प्रकाशित होने के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) और नगर निगम ने संज्ञान लेते हुए घाटा नंबर 867 स्थित सरकारी भूमि पर अवैध रूप से खड़ी की गई मार्केट को 28 जनवरी को सील किया था। संयुक्त टीम मौके

पर पहुंची और सीलिंग की कार्रवाई कर अवैध निर्माण को बंद कराया था। लेकिन कार्रवाई के कुछ ही दिनों बाद भूमाफियों ने प्रशासन को खुली चुनौती देते हुए सील की गई मार्केट को रातों-रात खोल दिया। इतना ही नहीं, सीलिंग के सभी निशानों को मिटाने के लिए मार्केट की दीवारों पर दोबारा पेंटिंग करा दी गई, जिससे सीलिंग के सबूत खत्म किए जा सकें।

सूत्रों के अनुसार इस अवैध कब्जे और सीलिंग तोड़ने के मामले में संजय हरवानी और महेश वर्मा के नाम सामने आए हैं। दोनों को अपराधी छवि का बताया जा रहा है और उन्हें पूर्व में कई बार जिलाबदर भी किया जा चुका है। पार्षद बृजमोहन शर्मा का कहना है कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर बनाई गई मार्केट को सील किए जाने के बाद दोबारा खोल देना प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल खड़े करता है।

लखनऊ गंगा जमुनी तहजीब का गहरवारा: रोशन तकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ गंगा जमुनी तहजीब का गहरवारा है। ये कहना है जाने माने इतिहासकार डॉक्टर रोशन तकी का। वह यह बात नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीगंज में लखनऊ संस्कृति एवं सिनेमा पर आधारित एक परिचर्चा के आयोजन पर कही। उन्होंने विस्तार से लखनऊ के क्रमागत विकास की चर्चा करते हुए कहा कि देश के विभिन्न प्रांतों से सन 1775 में लोगों ने यहां आना शुरू किया। उन्होंने कहा कि लखनऊ की पहचान लखनवी संस्कृति से है ये किसी ख़ास फिरके मजहब या धर्म से नहीं पहचाना जाता । मुख्य अतिथि ने कहा कि लखनऊ की पहले आप की चर्चा सारी दुनिया में होती है। उन्होंने कहा रानी केतकी की कहानी और पद्मावत ने अवध की जुबान को बहुत मजबूत किया है। इस परिचर्चा का आयोजन महाविद्यालय के इतिहास विभाग के द्वारा किया गया।

निदेशालय द्वारा स्वीकृत परियोजना से लखनऊ की संस्कृति एवं सिनेमा पर काम कर रहीं प्रोफेसर श्वेता मिश्रा एवं डाक्टर सनोबर हैदर ने परिचर्चा का विस्तार से उद्देश्य बताते हुए कहा कि छात्राओं को लखनऊ की संस्कृति से परिचित किया जाना जरूरी है। डाक्टर तक़ी ने कहा पहली बोलती फिल्म आलम आरा लखनऊ की ही कहानी लगती है। आन और अमर जैसी फिल्मों की कहानी लखनऊ से ही लिखी गई ।

लखनऊ में संस्कृति एवं सिनेमा पर आधारित परिचर्चा का आयोजन

कमाल अमरोही भाषा का अध्ययन करने लखनऊ आए थे

उन्होंने कहा कि जब फिल्म मुगले आज़म लिखी जा रही थी तो उसके लेखक कमाल अमरोही भाषा का अध्ययन करने लखनऊ आए थे। फिल्मों में लखनऊ के योगदान की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि मेरे महबूब और मेरे हुज़ूर जैसी फिल्में लखनऊ पर ही आधारित हैं । गुरुदत्त की चौदहवीं का चांद भी लखनऊ की कहानी कहती है । उमराव जान और शतरंज के खिलाड़ी कभी न भूली जाने वाली फिल्में भी लखनऊ को स्पर्श करती है । महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर रश्मि बिश्नोई ने अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि आज की पीढ़ी को लखनऊ का इतिहास और यहां की कला संस्कृति और विरासत को समझने की आवश्यकता है । परिचर्चा का संयोजन डाक्टर श्वेता मिश्रा तथा धन्यवाद ज्ञापन डाक्टर सनोबर हैदर ने किया । इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं ।

यूसीसी का निर्माण आम सहमति से किया जाना चाहिए : भागवत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का निर्माण सभी को विश्वास में लेकर किया जाना चाहिए और इससे मतभेद नहीं पैदा होने चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या आरएसएस के लिए अच्छे दिन भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सत्ता में आने के बाद आए, भागवत ने कहा कि मामला इसके विपरीत था।

उन्होंने कहा कि संघ अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के प्रति प्रतिबद्ध रहा और उसका समर्थन करने वालों को इसका फायदा मिला। एक अन्य सवाल के जवाब में संघ प्रमुख ने कहा कि कोई बहुसंख्यक या अल्पसंख्यक (समुदाय) नहीं हैं हम सब एक ही समाज हैं, उन्होंने मुस्लिम और ईसाई समुदाय के लोगों के साथ विश्वास, मित्रता और संवाद कायम करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

टी20 विश्व कप में उलटफेर करने से चूका नेपाल

» सैम करन के निर्णायक ओवर से इंग्लैंड ने चार रन से जीता मैच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वानखेड़े। सैम करन की कसी हुई गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड ने नेपाल को चार रन से हरा दिया। रविवार को टी20 विश्व कप का पांचवां मुकाबला वानखेड़े में खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने जैकब बेथेल और हैरी ब्रूक की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 184 रन बनाए। जवाब में नेपाल की टीम निर्धारित ओवरों में छह विकेट पर 180 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई। बेथेल (55) और कप्तान (53) ने चौथे विकेट के लिए 71 रनों की अहम साझेदारी कर इंग्लैंड की पारी को संभाला। इससे पहले नेपाल ने फिल सॉल्ट (1) को सस्ते में आउट किया। इसके बाद जोस बटलर (26) का भी जल्द विकेट गिर गया। नेपाल की ओर से गेंदबाजों ने ज्यादा ढीली गेंदें नहीं फेंकी और उन्होंने अच्छा अनुशासन दिखाया इंग्लैंड ने आखिरी तीन ओवरों में 45 रन जोड़े। वहीं नेपाल को पहला झटका आसिफ शेख (7) के रूप में जल्दी लगा, लेकिन इसके बाद कप्तान रोहित पॉडेल (39) और दीपेंद्र सिंह ऐरी (39) ने तीसरे विकेट के लिए 82 रनों की अहम साझेदारी कर पारी को संभाला। अंतिम ओवरों में लोकेश बाम ने नेपाल को जीत की दहलीज तक पहुंचा दिया। उन्होंने 20 गेंदों पर नाबाद 39 रन बनाए। 18वें ओवर में उन्होंने आर्चर पर दो छक्के लगाए और 19वें ओवर में ल्यूक वुड पर लगातार दो चौके जमाए। आखिरी ओवर में नेपाल को 10 रन चाहिए थे, लेकिन सैम करन की सटीक यॉर्कर गेंदबाजी के सामने नेपाल सिर्फ 5 रन ही बना सका और मैच 4 रन से हार गया।

श्रीलंका ने जीत से की अभियान की शुरुआत

कोलंबो। टी20 विश्वकप 2026 का छठा मुकाबला कोलंबो में ग्रुप बी की श्रीलंका और आयरलैंड की टीमों के बीच खेला गया। इस मैच में श्रीलंका ने आयरलैंड को 20 रन से हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया। कामिंदु मेंडिस की तूफानी पारी और कुसल मेंडिस के संयमित अर्धशतक की बदौलत श्रीलंका ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 163 रन बनाए। जवाब में आयरलैंड की टीम 19.5 ओवर में 143 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी और शुरुआती ओवरों में उसका फैसला सही साबित होता दिखा। श्रीलंका की शुरुआत लड़खड़ाई और टीम ने पहले 4 ओवर में सिर्फ 28 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और कप्तान सिर्फ 6 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन 16वें ओवर में हसरंगा ने टेक्टर को आउट कर दिया, जो आयरलैंड की पारी का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। इसके बाद आयरलैंड की पारी पूरी तरह बिखर गई और टीम ने जल्दी-जल्दी विकेट गंवाए। श्रीलंका के स्पिन गेंदबाज़ों ने शानदार प्रदर्शन किया।

संसद में विपक्ष का जोरदार हंगामा

लोस अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास आएगा, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर चर्चा को लेकर बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सोमवार को भी लोकसभा में विपक्षी दलों सरकार पर करारा हमला किया गया। भारत-अमेरिका व्यापार ढांचे पर चर्चा की मांग को लेकर माहौल पूरी तरह गरम रहा। आज लगातार दूसरी बार, संसद का सत्र 10 मिनट से भी कम समय में बिना किसी चर्चा के स्थगित कर दिया गया। विपक्षी सांसद बजट सत्र के दूसरे भाग में अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की योजना बना रहे हैं।

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी द्वारा केंद्रीय बजट पर चर्चा का प्रस्ताव पेश करने के बाद, विपक्षी सांसदों ने भारत-अमेरिका व्यापार अंतरिम ढांचे पर चर्चा की मांग जारी रखी। कृष्ण प्रसाद टेनेटी ने सदन की अध्यक्षता करते हुए विपक्षी सांसदों द्वारा अंतरिम व्यापार ढांचे पर चर्चा की मांग की आलोचना की और कहा कि सदन के कामकाज से संबंधित मामलों पर निर्णय लिया जा चुका है और विपक्षी सांसदों ने इस पर बोलने के लिए अपने नेताओं के नाम भी दिए हैं।

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ पक्षपात का आरोप : संसद में विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए अविश्वास प्रस्ताव लाने का संकेत दिया, जिससे हुए हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इससे पहले, सदन ने अंडर-19 क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक विश्व कप जीत का जश्न मनाया था।

भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम को बधाई

लोकसभा और राज्यसभा में सोमवार को भारतीय अंडर-19 क्रि केट टीम की ऐतिहासिक विश्व कप जीत का जश्न मनाया गया। सदन के अध्यक्ष ओम बिरला और सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने टीम को बधाई दी। विशेष रूप से वैभव सूर्यवंशी की शानदार बल्लेबाजी की सराहना की गई, जिन्होंने 175 रन बनाकर भारत को रिकॉर्ड छठी बार चैंपियन बनाया। सांसदों ने मेजें थपथपाकर खिलाड़ियों के अनुशासन और टीम वर्क की तारीफ की और इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया।

दूसरी ओर, संसद में राजनीतिक खींचतान भी देखने को मिली। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने का मौका नहीं दिया जा रहा है। विपक्षी दलों ने अध्यक्ष के पक्षपातपूर्ण व्यवहार की शिकायत करते हुए उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के संकेत दिए हैं। हंगामे और नोकझोंक के कारण सदन की कार्यवाही को स्थगित करना पड़ा। विपक्ष का कहना है कि लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज दबाई जा रही है।

विपक्ष की आवाज दबाई जा रही

विपक्ष के नेता को बोलने का मौका मिले : थरूर

केंद्रीय बजट पर बोलने वाले कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि वे भारत-अमेरिका अंतरिम समझौते पर चर्चा के लिए विपक्ष के नेता को बोलने का अवसर देंगे। शशि थरूर ने लोकसभा अध्यक्ष से कहा, महोदय, हम व्यापार समझौते पर बोलेंगे।

टेनेटी ने विपक्ष के नारेबाजी को शांत करते हुए कहा कि मैं आपको वही बता रहा हूं जो मुझे दिया गया है, और वह है बजट पर चर्चा। पार्टी ने नाम दिए हैं, मुझे शशि थरूर का नाम दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि क्या विपक्ष के नेता बजट पर बोलेंगे? पार्टी ने शशि थरूर का नाम दिया है, यह नाम पार्टी की ओर से आया है... विपक्ष के नेता से बोलने का अनुरोध किया जाएगा। टेनेटी के प्रश्न के तुरंत बाद, विपक्षी सांसदों ने नहीं के नारे लगाते हुए मांग की कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी को भारत-अमेरिका अंतरिम समझौते पर बोलने की अनुमति दी जाए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अध्यक्ष से कहा कि अध्यक्ष ने कहा है कि मुझे बजट सत्र से पहले बोलने की अनुमति दी जाएगी, कृपया इसका पालन करें। थरूर ने भी कहा, महोदय, मैं बोलने की अनुमति लेता हूं और विपक्ष के नेता को बोलने का अवसर देता हूं। इस बीच, विपक्षी सांसद बजट सत्र के दूसरे भाग में अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की योजना बना रहे हैं, क्योंकि ऐसे प्रस्ताव के लिए 20 दिन की पूर्व सूचना अवधि आवश्यक है।

असम के सीएम के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग

विपक्षी सांसदों ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की है। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि हिमंत बिस्व सरमा एक मुख्यमंत्री होते हुए इस तरीके के वीडियो बनवाते हैं और असम बीजेपी उसको पोस्ट करती है और बाद में वह पोस्ट डिलीट हो जाता है। प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। हिमंत बिस्वा सरमा के एक वीडियो को लेकर विपक्ष ने सख्त आपत्ति जताई है। असम बीजेपी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी इस वीडियो में सीएम टोपी पहनकर दो लोगों पर निशाना साधते हुए नजर आ रहे हैं। हालांकि, थोड़ी ही देर बाद यह वीडियो डिलीट कर दिया गया।

स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर हस्ताक्षर शुरू

स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष जल्द ही अविश्वास प्रस्ताव लाने वाला है. कांग्रेस ने इसके लिए पहल शुरू कर दी है। कांग्रेस सांसद मल्लू रवि ने आरोप लगाया कि स्पीकर हमारे साथ भेदभाव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव पर हस्ताक्षर शुरू कर दिया गया है. सांसद मल्लू रवि ने कहा कि कल वो इसको लेकर नोटिस देंगा। गौरतलब है कि कांग्रेस लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर नहीं बोलने देने का आरोप लगा रही है। कांग्रेस का कहना है कि स्पीकर बिरला नियमों का हवाला देकर राहुल गांधी को नहीं बोलने दे रहे हैं. कांग्रेस का आरोप है कि वहीं, बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे को इजाजत दी जा रही है।

कांग्रेस ने राहुल गांधी की गोद में बच्चे वाली तस्वीर वायरल की

लिखा- देखभाल करने वाले हाथों में, भविष्य सुरक्षित महसूस होता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आजकल पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे की किताब और अमेरिका ट्रेड डील को लेकर केंद्र सरकार और पीएम मोदी पर हमलावर हैं। संसद से लेकर सड़क तक राहुल गांधी इस मुद्दे को लेकर पीएम मोदी पर तीखे तीर छोड़ रहे हैं। इस बीच कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक फोटो पोस्ट की है। यह फोटो सबका ध्यान अपनी ओर खींच रही है।

फोटो में राहुल गांधी के सीने से एक छोटा सा बच्चा लिपटा हुआ है। कांग्रेस ने राहुल गांधी की ये तस्वीर शेयर की है, जिसमें वो एक बच्चे को गोद में लिए नजर आ रहे हैं, तस्वीर के साथ कांग्रेस ने लिखा- देखभाल करने वाले हाथों में, भविष्य सुरक्षित महसूस होता है इस फोटो के संदेश से भी कांग्रेस ने सरकार पर हमला किया है। दरअसल राहुल गांधी नरवणे की किताब का हवाला देकर जनता को बता रहे हैं कि देश सुरक्षित हाथों में नहीं है।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डरे हुए हैं और सच्चाई का सामना नहीं करना चाहते हैं। हाल ही में राहुल गांधी पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण की एक प्रति लेकर संसद पहुंचे थे और कहा था कि यदि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदन में आते हैं तो वह यह पुस्तक उन्हें भेंट करेंगे। उन्होंने पत्रकारों को पुस्तक दिखाते हुए कहा था, 'वे (सरकार) कहते हैं कि यह किताब अस्तित्व में नहीं है, लेकिन यह रही किताब। भारत के हर युवा को यह देखना चाहिए कि यह किताब मौजूद है। यह नरवणे जी की किताब है, लेकिन मुझे कहा गया है कि मैं इसका जिक्र नहीं कर सकता।

अभी जेल में ही रहेंगे पप्पू यादव

बम की धमकी के चलते नहीं हो सकी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव को फिलहाल जेल में ही रहना होगा। उनकी आज (सोमवार, 9 फरवरी) पटना सिविल कोर्ट में सुनवाई थी, जिसे अचानक टालना पड़ा है। इस वजह से पप्पू यादव पटना की बेऊर जेल में बंद रहेंगे।

दरअसल, सोमवार (9) पटना सिविल कोर्ट को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके बाद एमपी-एमएलए कोर्ट को भी खाली कराया गया था। इसी वजह से आज पप्पू यादव की बेल पर सुनवाई नहीं हो पाई। कोर्ट को बम की धमकी मिलते ही पटना पुलिस एक्टिव हुई और पूरा कैंपस खाली कराया गया। इसके बाद चप्पे-चप्पे की जांच की गई. गहनता से जांच करने

के बाद पुलिस को कुछ संदिग्ध नहीं मिला है. हालांकि, सुरक्षा के मद्देनजर कोर्ट परिसर को खाली करा दिया गया है और अदालतों में सुनवाई टाल दी गई है।

पप्पू यादव पर आरोप है कि उन्होंने साल 1995 में एक घर पर कब्जा कर लिया था. वह इसी मकान में किराये पर कमरा लेकर रहने गए थे। आरोप है कि पहले यहां उन्होंने अपना ऑफिस खोला और फिर धीरे-धीरे उसपर कब्जा कर लिया। उनके खिलाफ मकान मालिक ने एफआईआर दर्ज कराई थी।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा उग्रवादियों ने फूंके दर्जनों घर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर के उखरुल जिले में एक बार फिर सांप्रदायिक तनाव और हिंसा का तांडव देखने को मिला है। सशस्त्र उग्रवादियों ने लिटान सारेइखोंग क्षेत्र में कई मकानों को आग के हवाले कर दिया। यह हिंसा तंगखुल नगा समुदाय के एक व्यक्ति पर हुए कथित हमले के बाद उपजे तनाव का परिणाम बताई जा रही है।

प्रशासन ने स्थिति को अनियंत्रित होते देख जिले में तत्काल प्रभाव से निषेधाज्ञा लागू कर दी है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि रविवार शाम को जिले के लिटान गांव में दो आदिवासी समूहों ने पथराव किया, जिसके कारण प्रशासन को निषेधाज्ञा लागू करनी पड़ी। उन्होंने बताया कि मध्यरात्रि के आसपास लिटान सारेइखोंग में तंगखुल नगा समुदाय के कई मकानों में कथित तौर पर कुकी उग्रवादियों द्वारा आग लगा दी गई। पास के ही एक इलाके में कुकी समुदाय के कुछ लोगों के मकानों को भी जला दिया गया। तंगखुल मणिपुर की सबसे बड़ी नगा जनजाति है। लितान सारेइखोंग कुकी बहुल गांव है। जिले के एक अधिकारी ने ''नुकसान का आकलन किया जा रहा है और स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।'' सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो फुटेज में हथियारबंद लोग गांव में मकानों और वाहनों को आग लगाते हुए और उग्रवादी अत्याधुनिक हथियारों से हवा में गोली चलाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह में सामी व सलमान के बुलावे पर बवाल

महाराष्ट्र में सियासी भूचाल, विपक्ष ने उठाया सवाल, कांग्रेस ने कहा- सामी को बुलाना राष्ट्र विरोधीकृत

शिवसेना यूबिटी नेता बोले- मुसलमानों पर दबाव बनाया जा रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में मुंबई में आयोजित एक कार्यक्र म ने महाराष्ट्र में नया राजनीतिक कोहराम मच गया है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और मशहूर गायक अदनान सामी व सलमान खान की मुलाकात पर विपक्ष के निशाने पर आ गए है। साथ में भोजन करने

शताब्दी वर्ष कार्यक्रम का हिस्सा थे सामी

मुंबई में आयोजित यह दो दिवसीय कार्यक्रम आरएसएस की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था, जिसमें कला, खेल और उद्योग जगत की कई हस्तियों ने शिरकत की थी। सामी इसी कार्यक्रम में आमंत्रित विशिष्ट अतिथियों में से एक थे।

पर महाराष्ट्र कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई है।

कांग्रेस ने इसे राष्ट्र-विरोधी कृत्य करार देते हुए आरएसएस की विचारधारा पर सवाल उठाए हैं। वंही शिवसेना यूबिटी नेता संजय राउत ने सलमान को बुलाने पर तंज कसा है । विपक्षी दल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि अदनान सामी के पिता ने पाकिस्तान वायु सेना में पायलट के रूप में सेवा दी थी और वह पठानकोट हवाई अड्डे पर हमले समेत 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में शामिल थे। सामी उन हस्तियों में शामिल हैं जिन्होंने आरएसएस के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में सप्ताहांत में मुंबई में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्र म में भाग लिया था।

कांग्रेस का आरोप- अदनान के पिता ने 1965 के युद्ध के दौरान पठानकोट हवाई अड्डे को नष्ट किया था

कांग्रेस ने 'एक्स' पर लिखा, अदनान सामी के पिता अरशद सामी खान पाकिस्तान वायु सेना में पायलट थे जिन्होंने 1965 के युद्ध के दौरान पठानकोट हवाई अड्डे को नष्ट कर दिया था। आज मोहन भागवत उनके साथ भोजन का आनंद ले रहे हैं। आरएसएस (का यह कदम) राष्ट्रविरोधी है।' सामी ने अपने फेसबुक खाते पर रविवार को भागवत के साथ अपनी तस्वीरें साझा की थीं और आरएसएस प्रमुख की प्रशंसा की थी। पद्म श्री से सम्मानित सामी ने पोस्ट में लिखा था, 'आरएसएस के महान सरसंघचालक मोहन भागवत के साथ एक बेहतरीन दोपहर बिताई। उन्हें सुनना आनंददायक था और उन्होंने बड़ी कुशलता से कई मिथकों एवं गलतफहमियों को दूर किया। एक अत्यंत सज्जन और बेहतरीन व्यक्ति।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**